

Madarász Imre

MANZONI

ROVÓ-KIADVÁNYOK

Budapest, 1991.

TARTALOM:

| | Oldal |
|---|-------|
| A jegyesek írója | 7. |
| AZ IFJÚ LÁZADÓ | 9. |
| Milánó és a „fények” | 9. |
| Családi kör - némi rejtéllyel | 10. |
| Kollégiumok és forradalom | 12. |
| Olvasmányok, mesterek | 13. |
| Az első versek | 14. |
| Párizsban | 17. |
| KETTŐS MEGTÉRÉS | 18. |
| Henriette Blondel és a katolikus vallás | 18. |
| Egy megtérés háttere | 20. |
| „A Szent Himnuszok” | 23. |
| A katolikus erkölcs apologétája | 28. |
| Közeledés a romantikához | 30. |
| „1821 Márciusa” | 33. |
| Óda Napóleon halálára | 34. |
| „Carmagnola grófja” | 38. |
| A romantikusok táborában | 40. |
| „Adelchi” | 44. |
| A REGÉNY | 52. |
| Az életmű koronája | 52. |
| A Fermo és Luciától | |
| A jegyesek végleges változatáig | 53. |
| Történelmi regény | 56. |
| „Az egyszerű emberek eposzpiája” | 59. |
| Pesszimizmus és gondviselés | 63. |

| | Oldal |
|--|-------|
| Manzoni ironiája | 68. |
| Jellemek | 70. |
| Tájak | 85. |
| Szerkezet, stílus, nyelv | 90. |
| A jegyesek fogadtatása | 92. |
| A regény kritikai utóélete | 96. |
| NAPNYUGTA | 101. |
| A jegyesek után | 101. |
| Paradox eszmefuttatás a történelmi regényről | 102. |
| A szégyenoszlop története | 104. |
| Megpróbáltatások | 106. |
| A Risorgimento viharában | 107. |
| A francia forradalomról | 111. |
| Alkonyi évek | 117. |
| Requiem: Manzoni és Verdi | 120. |
| Bibliográfia | 123. |